लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक 1- 15 दिसंबर 2022 www.haryanasamvad.gov.in अंक -55

"किसी भी गहरी नदी में जल का प्रवाह बेहद शांत और गंभीर होता है।"
: शेक्सपीयर

आयुष्मान भारत योजना में 28 लाख परिवारों का होगा उपचार

3

'वोकल फॉर लोकल, लोकल टू ग्लोबल'

5

गीता महोत्सव अध्यात्म व संस्कृति का अद्भुत संगम

8

गीता जयंती महोत्सव से हुआ वसुधैव कुटुम्बकम् का उद्घोष

विशेष प्रतिनिधि

कुरुक्षेत्र की पावन भूमि पर अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन बड़ी धूमधाम से हुआ। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के विशेष प्रयासों से आयोजित महोत्सव में देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला व देश विदेश से आए अनेक गणमान्य लोगों ने शिरकत की। महोत्सव में लाखों लोगों ने गीता पाठ, भजन, आरती, नृत्य, नाटक, शिल्प मेला, यज्ञ, आदि में सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रति दिन प्रातः श्रीमद्भगवद् गीता की आरती का भव्य आयोजन किया गया।

महोत्सव में धर्म, अध्यात्म व लोक संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रीमद्भगवद्गीता की जन्मस्थली ज्योतिसर में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप पर लाइट एंड साउंड शो का उद्घाटन किया। इस अद्भुत दृश्य को देखकर तमाम दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद ने मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि 5159 वर्ष पूर्व भगवान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर अर्जुन का मोहभंग करने और कर्म करने का संदेश दिया था।

ओम बिरला ने हरियाणा सरकार के इस कदम की सराहना की और कहा कि ऐतिहासिक स्थलों को तीर्थाटन के रूप में विकसित करने की राज्य सरकार की यह अच्छी पहल है। इसी तरीके से इन स्थलों को बड़े तीर्थाटन स्थलों के रूप में विकसित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि ज्योतिसर तीर्थ पर श्री कृष्ण के विराट स्वरूप पर लाइट एंड साउंड शो का उद्घाटन करने के लिए स्वयं लोकसभा अध्यक्ष पहुंचे। उन्होंने बताया कि ज्योतिसर तीर्थ पर 10 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से भगवान श्री कृष्ण के विराट स्वरूप को स्थापित किया गया है। इस स्थल पर श्री-डी प्रोजेक्शन मैपिंग लाइट शो शुरू किया गया है। 24 मिनट के शो को दिखाने के लिए अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल होता है। इसमें 30 हजार ल्यूमनस के प्रोजेक्टर, लेजर तकनीक, लाइट और अत्याधुनिक साउंड सिस्टम का प्रयोग हुआ।

ज्योतिसर तीर्थ पर 6 संग्रहालय बनाए जाएंगे। इन संग्रहालयों में वर्चुअली महाभारत, श्रीमद्भागवत गीता, कुरुक्षेत्र और 48 कोस से जुड़े प्रसंगों को दिखाया जाएगा। इसके लिए अत्याधुनिक तकनीक जैसे ऑगमेंटेड रियलिटी, होलोग्राफिक इमेज, रोबोटिक और ड्रोन आदि का इस्तेमाल किया जाएगा। इन संग्रहालयों में वर्चुअली अलग-अलग कहानियों को दिखाया जाएगा। यह कहानियां और प्रसंग एक निर्धारित समय के बाद बदले जाएंगे ताकि कोई इन्हें देख ले और दोबारा आए तो उसे नए प्रसंग देखने को मिलें।

महोत्सव में समय समय पर वह रचना भी गुंजायमान हुई जिसमें श्रीवल्लभाचार्य जी द्वारा रचित मधुराष्टकं में भगवान श्रीकृष्ण के बालरूप का मधुरतम वर्णन किया गया है। श्रीकृष्ण के प्रत्येक अंग, गतिविधि एवं क्रिया-कलाप मधुर हैं, और उनके संयोग से अन्य सजीव और निर्जीव वस्तुएं भी मधुरता को प्राप्त कर होती हैं। जैसे

अधरं मधुरं वदनं मधुरं नयनं मधुरं हसितं मधुरं ।
हृदयं मधुरं गमनं मधुरं मधुराधिपते रखिलं मधुरं।
वचनं मधुरं चरितं मधुरं वसनं मधुरं वलितं मधुरं ।
चलितं मधुरं भ्रमितं मधुरं मधुराधिपते रखिलं मधुरं।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में कोरोना के बाद रोनक लौटी है। इस बार भी लाखों की संख्या में लोग पहुंचे। विभिन्न प्रांतों से कलाकार, शिल्पकार, कारीगर व सामान बेचने वाले स्वयं सहायता समूह महोत्सव में पहुंचे। इस बार हरियाणा के हैंडीक्राफ्ट बनाने वालों के लिए अलग स्टॉल की व्यवस्था की गई, जो विदेशी सैलानियो को आकर्षित करती रही।

गीता का संदेश आज भी उपयोगी

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र की भूमि पर भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था। यह गीता ज्ञान उस वक्त जितना उपयोगी था, आज भी उतना ही उपयोगी है। इतना ही नहीं कुरुक्षेत्र भी उस वक्त जितना उपयोगी था, आज भी उतना ही उपयोगी है। गीता का यह संदेश युगों-युगों तक याद रखा जाएगा।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राजकीय स्कूलों को अब मिलेंगे 2075 शिक्षक

नौकरियों में पारदर्शिता की नीति पर चलते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 2075 टीजीटी और पीजीटी अध्यापकों को नियुक्ति के ऑफर लैटर सौंपे हैं। मेरिट के आधार पर की जाने वाली ये नियुक्तियां हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से होंगी।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार विभागों, बोर्डों तथा निगमों में जो नियुक्ति यां कर रही है, वे पूरी तरह से पारर्शिता एवं मेरिट के आधार पर हैं। राज्य सरकार ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग व हरियाणा लोक सेवा आयोग के माध्यम से की जाने वाली भर्तियों में भी पारदर्शिता स्थापित कर मिसाल कायम की है। अध्यापकों के इन पदों के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 6 नवम्बर, 2022 थी जबकि मुख्यमंत्री ने मात्र 17 दिनों में 2075 उम्मीदवारों को पीजीटी व टीजीटी अध्यापकों के लिए नियुक्ति -पत्र जारी कर दिए। ये नियुक्ति यां उन स्कूलों में की गई हैं जहां रेशनलाइजेशन के बाद अध्यापकों की कमी पाई गई थी।

हालांकि हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा शिक्षकों की नियमित भर्तियों के लिए भी विज्ञापन जारी कर दिया गया है। आयोग ने पीजीटी के 3863 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग व हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा की जाने वाली भर्ती प्रक्रिया में समय लग जाता है लेकिन अब जिस-जिस विभाग में कर्मचारियों की आवश्यकता है वहां के लिए निगम के माध्यम से भर्ती की जा रही हैं।

90 हजार से अधिक कर्मचारियों का समायोजन

आउटसोर्सिंग पॉलिसी-1 के तहत सेवा प्रदाताओं द्वारा कर्मचारियों के शोषण की शिकायतें प्राप्त हो रही थी और इसलिए उन्होंने कौशल रोजगार निगम का गठन करने का निर्णय लिया गया। अब आउटसोंसिंग पॉलिसी-1 के तहत सभी अनुबंध कर्मचारियों की नियुक्ति इस निगम के माध्यम से हो रही हैं। विभिन्न विभागों, बोर्डों व निगमों में पहले से लगे 90 हजार से अधिक कर्मचारियों का निगम के माध्यम से समायोजन हो चुका है।

संपादकीय

विशुद्ध मेरिट; पूरी पारदर्शिता

यह भी अपने आप मे एक कीर्तिमान है कि मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देशों के अनुसार पूरी पारदर्शिता व विशुद्ध मेरिट के आधार पर 2075 नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं।

ये नियुक्तियां प्रदेश के सरकारी विभागों, बोर्डों और निगमों में की जा रही हैं। पहले सरकार हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग व हरियाणा लोक सेवा आयोग के माध्यम से की जा रही भर्तियों में पारदर्शिता लाई थी और पर्ची-खर्ची को खत्म कर मेरिट के आधार पर नौकरियां दीं। वहीं अब मुख्यमंत्री के निर्देश पर हरियाणा कौशल निगम के जरिए भी मेरिट आधार पर नियुक्तियां की जा रही हैं।

एक क्लिक के माध्यम से 2075 टीजीटी और पीजीटी अध्यापकों को नियुक्ति पत्र ऑफर किए गए हैं। अध्यापकों के इन पदों के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 6 नवम्बर, 2022 थी और मुख्यमंत्री ने मात्र 17 दिनों में 2075 उम्मीदवारों को पीजीटी व टीजीटी अध्यापकों के लिए नियुक्ति पत्र जारी किए। ये नियुक्तियां उन स्कूलों में की गई हैं जहां 'रेशनलाइजेशन' के बाद अध्यापकों की कमी पाई गई थी। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए प्रदेश सरकार ने फौरी तौर पर इन अध्यापकों की नियुक्ति की है ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो सके। हालांकि हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा शिक्षकों की नियमित भर्तियों के लिए भी विज्ञापन जारी कर दिया गया है। आयोग ने पीजीटी के 3863 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग व हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा की जाने वाली भर्ती प्रक्रिया में समय लग जाता है लेकिन अब जिस-जिस विभाग में कर्मचारियों की आवश्यकता है वहां के लिए निगम के माध्यम से भर्ती की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री का मानना है कि 'आउटसोर्सिंग पॉलिसी-1' के तहत सेवा प्रदाताओं द्वारा कर्मचारियों के शोषण की शिकायतें प्राप्त हो रही थी और इसलिए उन्होंने कौशल रोजगार निगम का गठन करने का निर्णय लिया। अब आउटसोर्सिंग पॉलिसी-1 के तहत सभी अनुबंध-कर्मचारियों की नियुक्ति इस निगम के माध्यम से हो रही है। विभिन्न विभागों, बोर्डों व निगमों में पहले से लगे 90 हजार से अधिक कर्मचारियों को निगम के माध्यम से समायोजित किया जा चुका है।

इधर, बिजली के मामले में भी प्रदेश अब आत्मनिर्भर हो गया है। हरियाणा अपने गठन के बाद बिजली क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ा है। एक ओर जहां उस समय बिजली की उपलब्धता केवल 343 मेगावट थी तो वहीं आज 13106.58 मेगावाट तक हो गई है। इस प्रकार राज्य में विगम आठ वर्षों में मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में आज हरियाणा बिजली उपलब्धता के मामले में आत्मनिर्भर बना है। जब मई-जून के महीनों में बिजली की सर्वाधिक आवश्यकता होती है (पीक आवर्स), तो उस समय बिजली की मांग 12768 मेगावाट तक पहुंच गई थी, उस लक्ष्य को भी पूरा किया गया है। पूरे उत्तरी भारत में जब बिजली का संकट गहरा गया था तब भी हरियाणा में बिजली की उपलब्धता आशा के अनुरूप रही। बिजली निगमों के अनुरूप रही। बिजली निगमों व हरियाणा बिजली विनियामक आयोग (एचईआरसी) द्वारा किए गए बिजली सुधारों की बदौलत यह संभव हो सका।

-डॉ. चन्द्र त्रिखा

कुलाना में पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा का अनावरण

हरियाणा में है वीरता व बलिदान का गौरव स्वरूप : रक्षा मंत्री

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हरियाणा संस्कारों, वीरता व गौरवमयी इतिहास की धरा है जो पूरे देश- दुनिया को संस्कृति का संदेश देती है। ऐसी वीर भूमि को वे प्रणाम करते हैं जो त्याग की प्रेरणा व शौर्य के बलिदान का प्रतीक है। पृथ्वीराज चौहान, राव तुलाराम जैसे महान वीर सपूतों की प्रतिमाएं हमें जीवन में आगे बढ़ने की सीख देते हैं। रक्षा मंत्री झज्जर के गांव कुलाना में पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा के अनावरण उपरांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रतिमा अनावरण समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने स्वागत किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पृथ्वीराज चौहान के गौरवशाली व्यक्तित्व को सलाम करते हुए कहा कि हरियाणा की हवाओं में वीरता तैरती है। देश ही नहीं, विदेशों में ये बात मानी जाती है कि हरियाणा का गौरवशाली इतिहास सदैव दूसरों के लिए अनुकरणीय रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के हर गांव में हमारे सैनिकों की कहानी का गौरव देखने को मिलता है। देश की सरहदों की रक्षा हमारे यहां के जवान कर रहे हैं।

पृथ्वीराज चौहान का गौरवमयी इतिहास

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कुलाना में पृथ्वीराज चौहान की मूर्ति के अनावरण समारोह में कहा कि पृथ्वीराज चौहान का गौरवमयी इतिहास रहा है और देश की सामाजिक, सांस्कृतिक दिशा को मोड़ने वाले पृथ्वीराज चौहान को युवा शक्ति से उनके शौर्य व बलिदान को संदेश लेते हुए प्रेरणा लेनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि इतिहास का विकृत स्वरूप कई वर्षों तक दिखाया गया, इसलिए पृथ्वीराज चौहान के नाम पर शोध संस्थान एवं स्मारक तरावड़ी में बनाने की घोषणा सरकार ने की है। उन्होंने कहा कि संत महापुरुष विचार प्रसार योजना बनाकर हरियाणा सरकार ने महापुरुषों को याद करने की पहल की है।

सूचना तकनीक के क्षेत्र में हुई महत्वपूर्ण प्रगति

'साइबर -सिक्योरिटी, ड्रोन्स एंड हरियाणा आईटी सिनेरियो' विषय पर सेमिनार आयोजित

'हरियाणा आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन' द्वारा 'साइबर -सिक्योरिटी , ड्रोन्स एंड हरियाणा आईटी सिनेरियो' विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा कि राज्य सरकार ने सूचना तकनीक के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है,परंतु भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को समय-समय पर इस क्षेत्र के अपने कौशल को और अधिक अपग्रेड करने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने देश के आईएएस अधिकारियों को परिश्रमी बताते हुए कहा है कि ये लोग राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के मजबूत आधार-स्तंभ होते हैं।

सेमिनार में 'इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पोंस टीम' (सीईआरटी-इन) के डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशन श्री एस.एस शर्मा ने वर्तमान समय में साइबर-सिक्योरिटी के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि कुछ असामाजिक तत्व हमारे देश की सेवा और सुरक्षा पर साइबर अटैक कर रहे हैं जिसके प्रति सबको सचेत होने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि आज सबसे ज्यादा साइबर-अटैक हमारे डिफेंस के डाटा पर हो रहा है जोकि देश की सुरक्षा के लिए अति महत्वपूर्ण माना जाता है, हैकर्स हमारी अमूल्य-सूचना को चुरा रहे हैं व उसके साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं।

शर्मा ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर से लेकर व्यक्तिगत डाटा पर हो रहे साइबर-अटैक एवं उससे बचाव के विषयों पर चर्चा करते हुए बताया कि देश के हर विभाग में आज साइबर-सिक्योरिटी एक चुनौती बन गई है। उन्होंने बताया कि 80 प्रतिशत हैकर्स देश के अंदरूनी हिस्से के ही होते हैं जो कि डाटा को हैक करते हैं। उन्होंने सुझाव दिया है कि प्रत्येक विभाग में कम से कम 2-3 स्किल्ड कर्मचारियों की भर्ती की जानी चाहिए ताकि साइबर-सिक्योरिटी की जा सके।

हरियाणा के इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री आनंद मोहन शरण ने 'आईटी सिनेरियो इन हरियाणा' से संबंधित प्रजेंटेशन प्रस्तुत करते हुए बताया कि राज्य सरकार आईटी के माध्यम से सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं को तत्परता के साथ अंत्योदय की भावना से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने हरियाणा सरकार के विजन, डिजिटल गवर्नेंस की आवश्यकता, केंद्र सरकार के साथ योजनाओं को जल्द से जल्द अमलीजामा पहनाने में उठाए गए आईटी कदमों, सरकार की फ्लेगशिप-पहल, गुड गवर्नेंस हेतु किए जा रहे प्रयास, आईटी विभाग की भूमिका के मजबूतीकरण के अलावा भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

'ड्रोन इमेजिंग एंड इनफार्मेशन सिस्टम ऑफ हरियाणा लिमिटेड' के सीईओ टी.एल सत्यप्रकाश ने हरियाणा सरकार द्वारा ड्रोन तकनीक के माध्यम से किए गए सर्वे, गिरदावरी व इमेजिज लेने के कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने खानक-माईन्स की मैपिंग, टाऊन एंड कंट्री प्लानिंग फरीदाबाद, दौलताबाद की हाईपॉवर टेंशन लाइन, बाढ़ के दौरान करनाल तथा हैरिटेज साइट राखी गढ़ी एवं सरस्वती नदी से संबंधित ली गई इमेजिज के सदुपयोग की विस्तार से बताया। डा. अमित अग्रवाल ने सभी अधिकारियों का अभिवादन किया।

-संवाद ब्यूरो

फरीदाबाद शहर की परिवहन व्यवस्था के लिए मिलेंगी 50 नई ई-बसें

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि फरीदाबाद में अगले एक वर्ष के दौरान एफएमडीए द्वारा ढाई हजार करोड़ रुपए के विकास कार्य करवाए जाएंगे। इन विकास कार्यों में फरीदाबाद से नोएडा के बीच नई सड़क का निर्माण एक महत्वपूर्ण परियोजना है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल सेक्टर 22-23 में एफएमडीए द्वारा पिछले एक वर्ष में पूरी की गई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करने के उपरांत उपस्थित जनसभा को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फरीदाबाद शहर को पूर्वी व पश्चिमी भाग से जोड़ने के लिए 300 करोड रुपए से संपर्क मार्गों का निर्माण किया जाएगा। इसमें दो अंडरपास भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शहर की पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 12 नए रेनीवेल का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा ठप हो चुके 64 पुराने ट्यूबवैल को भी पुनर्जीवित किया जाएगा। शहर से जेवर एयरपोर्ट जाने वाली सड़क का निर्माण भी जल्द शुरू किया जाएगा। इसे फरीदाबाद शहर को सबसे ज्यादा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि शहर की आंतरिक यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सिटी बस सर्विस में जल्द ही 50 नई ई-बसें शामिल की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि शहर के सेक्टर-61 में एक नया व अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बस टर्मिनल बनाया जाएगा और इसके लिए स्थान चिन्हित कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भी स्थानीय सांसद विधायक पार्षद सरपंच पंच वह किसी भी जनप्रतिनिधि द्वारा जिस भी विकास कार्य की मांग की जाएगी उसे तुरंत पूरा किया जाएगा।

सलाहकार संपादक : डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक : मनोज प्रभाकर
स्टाफ राइटर : संगीता शर्मा
संपादन सहायक : सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन : गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट : विकास डांगी

श्री माता मनसा देवी परिसर में बन रहे संस्कृत कॉलेज को श्राइन बोर्ड ही चलाएगा। कॉलेज में स्टाफ की नियुक्ति, वेतन व विद्यार्थियों से ली जाने वाली फीस बोर्ड द्वारा ही तय की जाएगी।

वन मंत्री कंवरपाल ने कहा कि प्रदेश के सभी गांवों के श्मशान घाटों के चारों ओर पेड़ लगाए जाएंगे। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को सभी पंचायतों से बातचीत करने के निर्देश दिए हैं।

आयुष्मान भारत योजना में 28 लाख परिवारों का होगा उपचार

'चिरायु हरियाणा' के नाम से जानी जाएगी चिकित्सा योजना

विशेष प्रतिनिधि

प्रदेश में हर व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने ऐसे जरूरतमंद परिवारों को भी आयुष्मान भारत योजना के तहत लाभ देने की शुरुआत की है, जिनकी वार्षिक आय एक लाख 80 लाख रुपए तक है। इस योजना से राज्य के करीब 28 लाख परिवारों के करीब सवा करोड़ सदस्यों को फायदा होगा। इस दायरे में आने वाले लाभार्थियों को पांच लाख रुपए तक के इलाज खर्च की चिंता नहीं रहेगी।

मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरूआत करते हुए कहा कि उक्त योजना को प्रदेश में 'चिरायु हरियाणा' के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री ने मानेसर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में कांता देवी और हरपाल सहित दर्जनभर लाभार्थी को गोल्डन कार्ड वितरित किए। बतादें इस योजना में शामिल किए जाने वाले इन परिवारों का 5 लाख रुपए तक का खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। दिव्यांग का इलाज भी योजना में समाहित किया गया है।

जातीय जनगणना-2011 के आधार पर चयन

केन्द्र सरकार के मानदंडों के अनुसार इस योजना के लाभार्थी परिवारों का चयन आर्थिक, सामाजिक व जातीय जनगणना-2011 के आधार पर किया गया है। इसके अनुसार हरियाणा में 15 लाख 51,798 परिवार इस योजना में चिह्नित हुए थे लेकिन इनमे से सिर्फ 9 लाख का डाटा वेरिफाई हो पाया था और इन्ही 9 लाख परिवारों को योजना का लाभ मिल रहा था लेकिन अब राज्य सरकार के खर्च पर योजना का दायरा बढ़ाया गया है। पीपीपी के डाटा के आधार पर इस योजना से प्रदेश में अब 28 लाख 89,036 परिवार कवर हो रहे हैं।

स्वास्थ्य केंद्रों पर कार्ड की सुविधा

आयुष्मान योजना का फायदा हर लाभार्थी को मिले इसके लिए क्षेत्र में गंभीरता से काम हो रहा है। निकटवर्ती सिविल अस्पताल के अलावा ग्रामीण क्षेत्र के पीएसचसी व स्वास्थ्य केंद्रों पर गोल्डन कार्ड बनाने की सुविधा रखी गई है। लाभार्थी को अपने साथ आधार कार्ड, पहचान पत्र तथा वह मोबाइल ले जाना होगा जिसका नंबर परिवार पहचान पत्र में दर्शाया गया है। कार्ड बनाने वाले कर्मी इस प्रक्रिया के दौरान पहले आपका नाम सूची में जांचेंगे कि नाम है या नहीं। अगर नाम है तो कर्मचारी आपके मोबाइल पर आया ओटीपी नंबर पूछेगा जो ऑनलाइन प्रक्रिया में डाला जाएगा। उसके बाद गोल्डन कार्ड बन जाएगा।

कुल 715 अस्पताल सूचीबद्ध

आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रदेश में कुल 715 अस्पताल सूचीबद्ध हैं, जिनमें 539 निजी अस्पताल और 176 सरकारी अस्पताल शामिल हैं। इस लिहाज़ से देखा जाए तो हरियाणा के 22 जिलों में हर जिले में लगभग 32 अस्पतालों में इस योजना से जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। 1500 तरह की बीमारियों का इलाज इस योजना के जरिए संभव हो सकेगा।

योजना के तहत 580.77 करोड़ रुपए क्लेम

प्रदेश में अब तक आयुष्मान भारत योजना के तहत 580.77 करोड़ रुपए से अधिक के क्लेम दिए गए हैं। वर्ष 2021 के दौरान शीघ्र क्लेम भुगतान के लिए हरियाणा को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण से प्रशंसा - पत्र भी मिला है। आयुष्मान कार्डों को आधार से जोड़ने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। प्रदेश में अस्पताल में भर्ती होने के समय 100 प्रतिशत बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण (नवजात शिशुओं और आपात स्थितियों को छोड़कर) किया जाता है।

आपरेशन, टेस्ट व अन्य चिकित्सा

प्रदेश सरकार ने आयुष्मान भारत योजना के अलावा भी प्रदेश में आमजन को किफायती, सुलभ और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना सुनिश्चित किया है। आज प्रदेश में 228 प्रकार के ऑपरेशन, 70 प्रकार के टेस्ट और 21 प्रकार की दंत चिकित्सा मुफ्त उपलब्ध है। साथ ही 541 दवाइयां भी मुफ्त दी जाती हैं।

आय की सीमा बढ़ाई

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मानेसर में लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड वितरित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्य के हिसाब से केंद्र की एक लाख 20 हज़ार वार्षिक आय की सीमा को एक लाख 80 हजार रुपए तक किया है। इन परिवारों के गोल्डन कार्ड बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मिशन मोड में अंत्योदय परिवारों के सभी लाभार्थियों को कवर करने के लिए लाभार्थी की पहचान और कार्ड बनाने के लिए जिला और ब्लॉक स्तर पर शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। उम्मीद है कि 31 दिसम्बर तक सभी को ये कार्ड मिल जाएंगे।

अंत्योदय का लक्ष्य

मुख्यमंत्री मनोहरलाल का प्रयास योजनाओं की आखिरी गरीब तक पहुँच और अंतिम व्यक्ति का उदय का लक्ष्य है। प्रदेश सरकार शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वाभिमान और स्वावलंबन के सिद्धांत पर काम कर रही है। हरियाणा बड़े राज्यों में देश में सबसे आगे, हरियाणा की जनता को सुविधाओं का लाभ मिले ये सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी के चलते परिवार पहचान पत्र को लागू किया गया।

विकास के नए प्रतिमान गढ़ने की तैयारी में 'गांव की सरकार'

मनोज प्रभाकर

'गांव की सरकार' चुनने की लोकतांत्रिक प्रकिया संपन्न हो गई। इस बात को अगर यूं कहें कि ग्रामीण अंचल में पंचायती संस्थाओं का चुनावी पर्व धूमधाम से मनाया गया तो कोई अतिश्योक्ति न होगी। 6220 सरपंचों व 61,993 पंचों का चुनाव हुआ। इनके अलावा 411 जिला परिषद सदस्य व3081 पंचायत समिति सदस्य चुने गए । 27 नवंबर तक तीन चरणों में हुई इस चुनावी प्रक्रिया में ग्रामीणों ने पूरे उत्साह से भाग लिया। कुछ गांवों के मतदान केंद्रों के बाहर स्थानीय लोगों ने ढोल नंगाड़े बजाकर नृत्य किया और पर्व का आनंद लिया। बहुत से गांवों में लंगर व भंडारा लगाया गया तो बहुत से मतदान केंद्रों के बाहर प्रत्यशियों की ओर से जलपान की व्यवस्था की गई।

निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशन में स्थानीय प्रशासन की ओर से विशेष इंतजाम किए गए थे जिनके चलते कहीं पर कोई विवाद नहीं हुआ। कहीं एक वोट से जीत दर्ज हुई तो कहीं सिक्का उछालकर निर्णय तक पहुंचा गया। पानीपत के गांव खलीला व जींद के खांडा में टॉस से निर्णय हुआ।

बड़ी से बड़ी व छोटी से छोटी जीत व हार उम्मीदवार एवं मतदाताओं ने सहर्ष स्वीकार की। प्रदेश के मतदाताओं ने इस चुनावी प्रतियोगिता में जिस प्रेम एवं भाईचारे की मिसाल कायम की वह वाकई प्रशंसनीय एवं रोमांचाकारी रही। सौहार्दपूर्ण माहौल से स्पष्ट संदेश गया कि आने वाला समय केवल सहयोग एवं विकास का होगा, टांग खिंचाई का नहीं।

विकास को मद्देनजर रखते हुए बहुत से गांवों में ग्रामीणों ने मिल बैठकर सर्वसम्मति से अपना प्रतिनिधि चुन लिया। यह संभव हुआ पढ़े लिखे उम्मीदवारों के सामने आने से। गांव के युवाओं ने उस बात को हाशिये पर रख दिया जिसमें कहा जाता रहा है 'राजनीति आम लोगों का क्षेत्र नहीं है।' उन्होंने न केवल राजनीति में पदार्पण किया बल्कि सर्वसम्मति पर सहमति जताकर रानजीति के मायने बदलने का भी श्रीगणेश कर दिया। महिला प्रतिनिधियों की भी अभूतपूर्व भागीदारी रही।

चुनाव के बाद शिक्षित प्रतिनिधियों में गज़ब का उत्साह देखा जा रहा है। उनकी आंखों में चमक है तथा कुछ करने की लालसा है। एक युवा सरपंच ने तो यहां तक कह दिया कि वे अपने गांव को हरियाणा का नंबर वन गांव बनाएंगे। इसके लिए उन्हें सरकारी अनुदान समय पर मिले ना मिले, वे चंदा एकत्र करने से भी पीछे नहीं हटेंगे। गांव में सफाई, सचिवालय, सोलर आधारित बिजली, स्ट्रीट लाइट, सीसीटीवी कैमरे, तालाबों का सौंदर्यीकरण, गलियों का निर्माण, लाइब्रेरी, पौधारोपण, स्कूल व स्वास्थ्य केंद्रों की देखरेख आदि सभी कार्य कराएंगे।

उन्होंने ग्राम सभा में सबसे हाथ जोड़कर यह अनुरोध भी किया कि गांव की गलियों में अवैध कब्जे न करें, किए हैं तो हटा लें तथा रास्तों में पशुओं को बांधने से परहेज करें। ग्रामीणों ने भी युवा सरपंच को हर कार्य में सहयोग करने का आश्वासन दिया।

उपरोक्त दृढ़संकल्प एक गांव या एक प्रतिनिधि का नहीं है। पढ़ी-लिखी पंचायतें चुनी गई हैं, उनमें अनेकों का है। आज का युवा कुछ सकारात्मक करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। बहुत से सरपंचों ने तो अपने-अपने गांवों के विकास कार्यों की रूपरेखा बनाई है। इतना ही नहीं उन्होंने इन कार्यों को सर्वसहमति से अमलीजामा पहनाने के लिए पंचों को मंत्रियों का रुतबा भी दिया है।

जनसेवक की भूमिका निभाएं जन प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि लोकतंत्र में जनता जनप्रतिनिधि को चुनकर जन सेवा के उद्देश्य से सहयोग करती है, ऐसे में नव निर्वाचित सरपंच व पंच जनता के विश्वास को कायम रखते हुए ग्रामीण विकास में भागीदार बनें। मानेसर में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि आज के युग में राजा और महाराज नहीं होते और ना ही राजतांत्रिक व्यवस्था होती है, आज तो जनता के विश्वास पर खरा उतरना होता है। नवनियुक्त पंच सरपंचों को मुख्यमंत्री ने भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और सुशासन का पाठ पढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह पुराना दौर था जब राजा महाराजा की व्यवस्था होती थी और राजा का बेटा ही राजा बनता था आज तो जनता के विश्वास को हासिल करने वाला व्यक्ति ही जनसेवा तक पहुंच पाता है।

मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित पंचायतों को सीख देते हुए कहा कि सरकार से लेकर और ग्राम पंचायत तक का कर्तव्य है कि हर तबके, हर वर्ग और हर व्यक्ति के साथ न्याय हो। उन्होंने कहा कि जैसे हमने 'हरियाणा एक हरियाणवी एक' के सिद्धांत पर सरकार चलाई है वैसे ही पंचायतें भी पूरे गांव को एक परिवार मानकर काम करेंगी।

प्रदेश में जैव विविधता को बढ़ाने के लिए 20 से 50 एकड़ तक भूमि पर पार्क बनाने का विचार किया जा रहा है ताकि वन्यजीवों एवं पक्षियों का संरक्षण हो सके।

भारत सरकार द्वारा जारी 'जल जीवन सर्वेक्षण 2022-23' के तहत हरियाणा के तीन जिलों अंबाला, रोहतक और फरीदाबाद को शत- प्रतिशत नल कनेक्शन कवरेज में अग्रणी घोषित किया है।

पैक हाउस लगने से बदलेगी तस्वीर

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि फसल उत्पादन और बागवानी में हरियाणा काफी आगे है, इसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। आज ज़रूरत है कि किसान नई-नई फसल की खेती करें, पैदावार में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करें और गुणवत्तापरक उत्पादन करें। यह खुशी की बात है कि हरियाणा का किसान और हरियाणा सरकार इसी रास्ते पर चल रही है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर सोनीपत के अटेरना गांव में प्रदेशभर के 30 एकीकृत पैक हाउस के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल भी मौजूद रहे।

नरेंद्र सिंह तोमर ने सर्वप्रथम कार्यक्रम में पहुंकर प्रदेशभर में स्थापित 30 एकीकृत पैक हाउस का उद्घाटन किया। उन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा किसानों के लिए बनाई जा रही योजनाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 30 पैक हाउस एफपीओ के माध्यम से प्रदेशभर में बनाए जा रहे हैं। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में 100 पैक हाउस नहीं, बल्कि 500 पैक हाउस बनाने की बात कही है। 100 पैक हाउस लगने से तो हरियाणा की तस्वीर बदल जाएगी, लेकिन 500 पैक हाउस से तो प्रदेश में बागवानी के क्षेत्र में क्रांति आ जाएगी।

तोमर ने कहा कि केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों की चिंता करते हैं। किसानों की मदद करने के लिए केंद्र सरकार ने किसान सम्मान निधि के अंतर्गत 2 लाख 17 हजार करोड़ रुपए उनके खातों में जमा करवाए हैं। रबी और खरीफ की फसलों का दो बार न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया गया। इससे किसानों को सीधे फ़ायदा मिल रहा है। नरेंद्र तोमर ने कहा कि हरियाणा सरकार, केंद्र सरकार से कदम से कदम मिलाकर चल रही है और केंद्र की 100 प्रतिशत योजनाओं को भी प्रदेश में लागू कर रही है। उन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा फल सब्ज़ियों के लिए बीमा योजना शुरू करने पर भी तारीफ़ की।

हरियाणा खेती में अग्रणी राज्य

नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि हरियाणा खेती में अग्रणी राज्य है। यहां का किसान अच्छी अवस्था में है। पिछले सात से आठ सालों में खेती में नवाचार हुए हैं। किसान और खेती को विकसित करने के लिए प्रयास हुए हैं। हरियाणा सरकार ने मोटा अनाज खरीद कर किसानों की मदद की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और हरियाणा सरकार की नई-नई योजनाओं के परिणाम आने लगे हैं। उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी दलाल के कृषि क्षेत्र को लेकर उठाए जा रहे कदमों की तारीफ़ भी की।

किसानी योजनाएं सर्वाधिक

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि हरियाणा किसानों का प्रदेश है। जितनी योजना हरियाणा सरकार किसानों के लिए लेकर आई है, इतनी योजना किसी प्रदेश में नहीं हैं। इसमें फसल बीमा योजना, भावांतर भरपाई योजना, एमसपी पर फसलों की खरीद, मंडियों की उचित व्यवस्था आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के मार्गदर्शन में एफपीओ के माध्यम से प्रदेश में पैक हाउस स्थापित किए गए हैं। इससे किसानों को फ़ायदा होगा।

जेपी दलाल ने कहा कि आज प्रदेश में 11 एक्सीलेंसी सेंटर हैं, जिनके माध्यम से करोड़ों पौधे किसानों को तैयार करके दिए जा रहे हैं। हरियाणा के किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने नहरों के बजट को दोगुना कर दिया है। सिंचाई के क्षेत्र में 85 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जा रही है। हरियाणा सरकार ने तालाबों के जीर्णोद्धार के लिए पौंड अथॉरिटी बनाई है। इसके साथ-साथ खारे पानी के किसानों को झींगा पालन के लिए प्रोत्साहित किया है। जिस जमीन पर पहले किसान सालाना 20 से 30 हजार रुपए आमदनी लेता था, आज झींगा पालन से 20 से 30 लाख रुपए आमदनी ले रहा है।

इस वर्ष 100 पैक हाउस किए जाएंगे स्थापित

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुमिता मिश्रा ने कहा कि हरियाणा में अभी तक 33 पैक हाउस स्थापित किए जा चुके हैं जबकि 35 पैक हाउस स्थापित करने पर काम चल रहा है। इस वर्ष में 100 पैक हाउस स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह 500 करोड़ रुपए की योजना है।

- संवाद ब्यूरो

मुर्रा नस्ल प्रदेश की शान

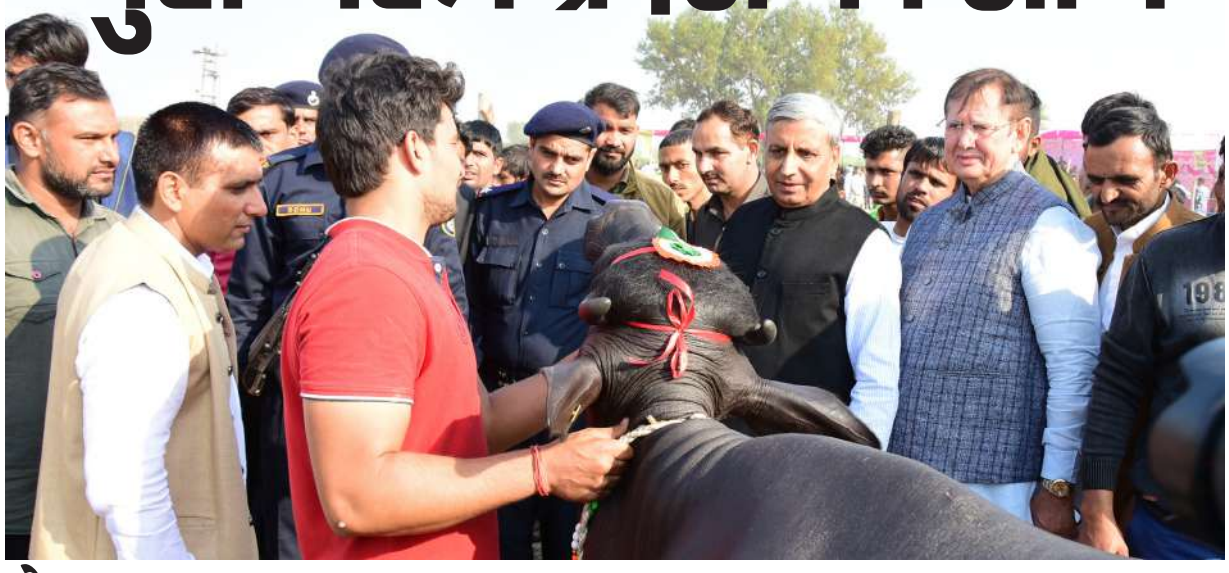

रोहतक के गांव गद्दी खेड़ी में राष्ट्रीय मुर्रा पशुधन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अनेक पशुपालकों ने भाग लिया और इनाम जीते। इस प्रथम राष्ट्रीय मुर्रा पशुधन प्रतियोगिता में हरियाणा के अलावा उत्तर प्रदेश, पंजाब आदि राज्यों से भी पशुपालक पशुओं के साथ पहुंचे। प्रतियोगिता का आयोजन लगभग 4 एकड़ में किया गया था, जहां दो रिंग बनाकर निर्णायक मंडलों द्वारा प्रतियोगिता की 12 श्रेणियों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरुस्कार के लिए पशुओं का चुनाव किया गया। समिति द्वारा प्रथम पुरस्कार के रूप में 3100 रुपए, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 2100 रुपए तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में 1100 रुपए के नकद ईनाम दिये गए।

पशुपालन एवं डेयरी, कृषि एवं किसान कल्याण एवं मत्स्य पालन मंत्री जेपी दलाल ने किसानों को आह्वान किया कि वे कृषि व्यवसाय के साथ-साथ अन्य सहायक धंधे अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ायें। गाय की नस्ल को सुधारने के लिए ब्राजील के साथ हिसार में नस्ल सुधार केंद्र स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।

उन्होंने पशुओं की नस्ल सुधारने की दिशा में कार्य करने वालों तथा प्रगतिशील पशुपालकों को सम्मानित किया। उन्होंने पशुधन प्रतियोगिता आयोजक समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समिति द्वारा अच्छा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने इस समिति को 11 लाख रुपए की धनराशि देने की घोषणा की। कृषि मंत्री ने कहा कि ब्राजील दौरे के दौरान उन्होंने गिर गाय की नस्ल सुधार के बारे में जानकारी मिली कि यह गाय नस्ल सुधार के बाद 45 लीटर तक दूध देती है। सरकार द्वारा प्रदेश में गायों की नस्ल सुधार के लिए ब्राजील के साथ मिलकर हिसार में गाय नस्ल सुधार केंद्र स्थापित किया जायेगा।

पशुपालन एवं डेयरी मंत्री ने कहा कि मुर्रा नस्ल प्रदेश की शान है। मुर्रा नस्ल को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। पशुपालक पशुओं की नस्ल सुधार अपनाकर दूध का उत्पादन बढ़ा सकते हैं। हरियाणा प्रदेश को दूध-दही के लिए जाना जाता है। प्रदेश के दूध-घी का ही असर है कि हमारे जवान सीमाओं पर दिन-रात देश की रक्षा के लिए तैनात रहते हैं।

सरकार का उद्देश्य पशुओं की नस्ल को सुधारकर दूध उत्पादन को बढ़ाना है ताकि पशुपालकों की आमदनी बढ़ सके। गांव में पशुधन से ही परिवारों का पालन पोषण होता है। सरकार द्वारा पशुओं की ईनाम राशि व संख्या भी बढ़ाई गई है ताकि ज्यादा से ज्यादा पशुपालक प्रोत्साहित हो।

पशुओं का बीमा अवश्य कराएं

पशुपालक अपने पशुओं का बीमा अवश्य करवाएं। मात्र 100 रुपए में पशु बीमा किया जा रहा है। सरकार द्वारा पशुपालकों के कल्याण के लिए पशुधन क्रेडिट कार्ड योजना क्रियान्वित की जा रही है, जिसके तहत एक लाख 60 हजार रुपए तक 4 प्रतिशत दर पर ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। इसके अलावा सरकार द्वारा साइलेज पर 50 लाख रुपए तक का अनुदान दिया जाता है। हरा चारा की गांठ बांधकर मशीनों से साइलेज बनाया जाता है। सरकार द्वारा बड़ी डेयरी व भेड़-बकरी पालन को बढ़ावा देने के लिए भी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं।

झींगा मछली पालन को बढ़ावा

खारा पानी में झींगा मछली पालन को सरकार द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार द्वारा झींगा मछली पालन पर महिलाओं को 60 प्रतिशत तथा पुरुषों को 40 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। भिवानी में 100 झींगा मछली पालन फार्म तथा सिरसा में 500 फार्म शुरू किये गए है। प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की हर संभव मदद की जा रही है। किसान गेंहू-धान के फसल चक्र के अलावा पॉली हाऊस, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन व बागवानी को अपनाएं। सरकार द्वारा अनेक योजनाओं के तहत किसानों को अनुदान प्रदान किया जा रहा है।

एफपीओ के आने लगे सार्थक परिणाम

हरी मिर्च का पाऊडर बनाकर 'गिनीज बुक' में नाम

हरियाणा सरकार की किसान उत्पादक संगठन योजना के सार्थक परिणाम नजर आने लगे हैं। राज्य के जहां प्रगतिशील किसान कृषि क्षेत्र में नए-नए आयाम स्थापित कर रहे हैं वहीं, भूमिहीन किसानों ने भी नए रिकॉर्ड बनाने शुरू कर दिये हैं। युवा किसान इस समूह व स्टार्ट-अप मुहिम से जुड़कर नामुमकिन होने वाले प्रयोग कर रहे हैं। ऐसे ही किसान है कैथल के चंदाना गेट में रहने वाले जगदीप सिंह नायक। उन्होंने तीन साल के शोध के बाद हरी मिर्च का पाउडर बनाकर अपना नाम गिनीज वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज़ करवाया है। इस पाउडर को 18 महीनों तक न्यूनतम तापमान पर रखा जा सकता है।

जगदीप सिंह कैथल मशरूम फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के डायरेक्टर है और उनके एफपीओ में 120 किसान शामिल हैं। इनमें प्रगतिशील किसानों व भूमिहीन किसानों के उत्पादों की मार्केटिंग के साथ-साथ प्रयोग किया जाता है। इस समूह के माध्यम से किसानों की बाज़ार में मिर्च, मशरूम सहित अन्य सब्ज़ियां बेची जाती हैं। बताया कि वह

हरियाणा सरकार की कई योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं और एफपीओ से किसानों को लाभ मिल रहा है।

जगदीप ने बताया कि कोरोना काल व मिर्च के सीजन में उचित दाम न मिलने के कारण हरी मिर्च गल-सड़कर ख़राब हो जाती है। ऐसे में किसानों की मेहनत पर पानी फिर जाता है। इस प्रकार उन्होंने लाल मिर्च पाउडर की तरह हरी मिर्ची पाउडर बनाने का निर्णय लिया। उन्होंने इस कार्य पर नियमित अध्ययन कर शोध किया। इसमें कैथल के जिला बागवानी अधिकारी डॉ.प्रमोद सहारण, उप निदेशक कृषि के डॉ. कर्मचंद व कैथल के कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ संयोजक डॉ.आर.सी वर्मा का विशेष योगदान रहा है। अमरजीत के सहयोग से ही मैं हरी मिर्च के पाउडर बनाने के मुकाम पर पहुंच पाया।

जगदीप आठवीं पास है और कहते है कि उन्हें यकीन था कि इस शिक्षा के बदौलत उन्हें सरकारी व प्राइवेट नौकरी नहीं मिल सकती। इसलिए उन्होंने खेती में कुछ नया करने का मन बनाया। उनके पास ज़मीन नहीं थी, इसलिए उन्होंने डा. आर. सी वर्मा की देखरेख में मशरूम का प्रशिक्षण लिया। मशरूम के उत्पाद बनाकर बेचने शुरू किए। अब वह मशरूम की खेती का अग्रणी कृषि उद्यमी सह प्रशिक्षक है और बेरोज़गार युवाओं को प्रशिक्षण देते हैं। वह मधुमक्खी पालन भी करते हैं और सरकार के सहयोग से चलाई जा रही प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लेकर मुनाफ़ा कमा रहे हैं।

-संगीता शर्मा

एमएसएमई में निर्धारित प्रारूप के अनुसार सुक्ष्म उद्योगों में निवेश एक करोड़ व टर्नओवर 5 करोड़, लघु उद्योगों में निवेश 10 करोड़ व टर्नओवर 50 करोड़ तथा मध्य उद्योगों में निवेश 50 करोड़ तथा टर्नओवर 250 करोड़ रुपए निर्धारित किया है।

बाढ़सा में आईआईटी दिल्ली के एक्सटेंशन सेंटर की स्थापना को मंजूरी दी गई है और आईआईटी की टीम को आश्वस्त किया कि इस मामले में हरियाणा सरकार उन्हें पूरा सहयोग देगी।

'वोकल फॉर लोकल, लोकल टू ग्लोबल'

व्यापार मेले के सालाना दो संस्करण आयोजित करने का सुझाव

व्यापार मेले से शिल्पकारों व हस्तशिल्पों को पहचान व बाज़ार मिलता है। इसके साथ ही मेले में स्वदेशी क्षमताओं व स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का हुनर, एमएसएमई व छोटे उद्यमियों को अच्छा मंच प्रदान किया जाता है। इस बात का साक्षात प्रमाण नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 14 नवंबर से 27 नवंबर 2022 तक आयोजित भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) में देखने को मिला। इस बार के मेले का थीम 'वोकल फॉर लोकल, लोकल टू ग्लोबल' रहा। यह मेला राष्ट्र की विविधता को प्रदर्शित करने का एक शक्तिशाली मंच है। मेले का उद्घाटन केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और वस्त्र मंत्री पीयूष गोयल ने किया।

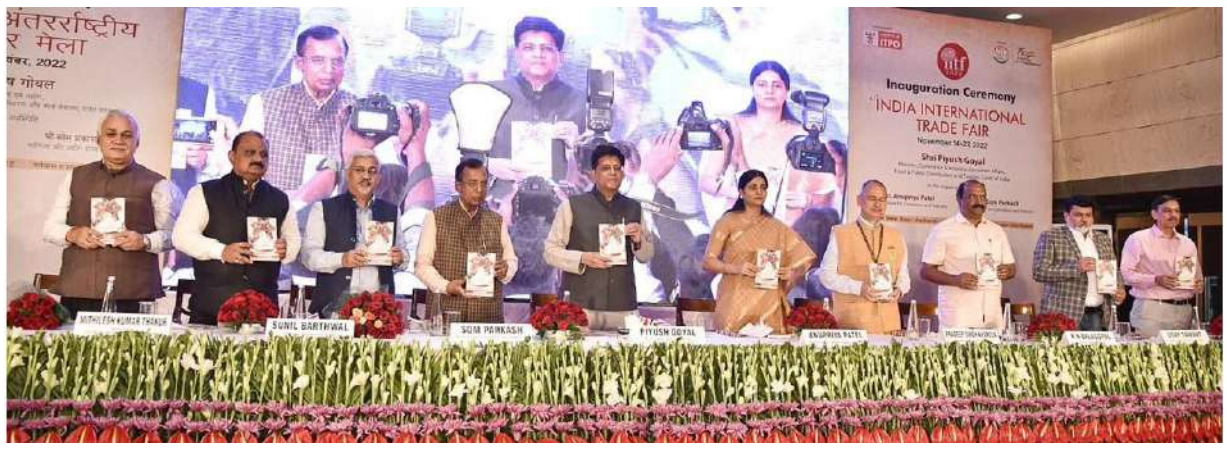

हरियाणा के उत्पादों का निर्यात निरंतर बढ़ रहा है। कृषि उपकरण और कृषि खाद्य उत्पाद में 2,080 करोड़, चावल निर्यात में 13,736 करोड़, हथकरघा, हस्तशिल्प और चमड़ा उत्पाद में 11,524 करोड़, ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट में 9,225 करोड़, रेडिमेड कपड़ों में 5,687 करोड़, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी पार्ट्स में 3,924 करोड़, केमिकल और दवाईयों में 3.526 करोड़ व आईटी के क्षेत्र में 88,840 करोड़ रुपए का निर्यात हो रहा है।

लेह लद्दाख ने पहली बार लिया भाग

आईआईटीएफ के 41वें संस्करण में भारत और विदेशों से लगभग 2500 प्रदर्शकों ने भाग लिया। यह मेला 73,000 वर्ग मीटर के कुल क्षेत्र में आयोजित किया गया। इस वर्ष, बिहार, झारखंड और महाराष्ट्र भागीदार राज्य और उत्तर प्रदेश और केरल फोकस राज्य रहे। 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रदर्शकों ने आईआईटीएफ में भाग लिया। उल्लेखनीय है कि लेह लद्दाख ने इस वर्ष पहली बार भाग लिया। आईआईटीएफ में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, बहरीन, बेलारूस, ईरान, नेपाल, थाईलैंड, तुर्की, यूएई, यूके सहित 12 देशों के विदेशी प्रदर्शकों ने भी भाग लिया। मेले में राज्य दिवस समारोह, सेमिनार और सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे।

व्यापार मेला दो बार आयोजित करने का सुझाव

मेले के उद्घाटन समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि ट्रेड फेयर इकोसिस्टम को मज़बूत करने और उद्योग, उद्यमिता के साथ-साथ स्थानीय कला और शिल्प को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर और अधिक व्यापार मेले आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि व्यापार मेले को वर्ष में दो बार आयोजित किया जा सकता है, जिसमें दूसरा

आत्मनिर्भर भारत के विषय पर केंद्रित हो, जो भारत की स्वदेशी क्षमताओं और इसकी उभरती ताकत को प्रदर्शित करेगा। गोयल ने राय दी कि पूरे देश में स्थानीय मेलों का भी आयोजन किया जाना चाहिए, जिसका विशेष रूप से त्योहारों और पर्यटन के मौसम के साथ संबंध हो ताकि पारंपरिक और स्थानीय हस्तशिल्प और हथकरघा को बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा कि इन स्थानीय मेलों को पैकेजिंग और डिजाइन तत्वों में सुधार पर भी ध्यान देना चाहिए। गोयल ने सुझाव दिया कि मेले में सभी वित्तीय लेनदेन को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ले जाने के प्रयास किए जा सकते हैं और कहा कि भारत दुनिया के सबसे मजबूत फिनटेक क्षेत्रों में से एक है। उन्होंने उल्लेख किया कि पिछले महीने भारत में लगभग 600 करोड़ डिजिटल लेनदेन हुए। वर्चुअल मेले आयोजित करने पर विचार किया जा सकता है।

नए-नए स्टार्टअप शुरू

भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में हरियाणा व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा आयोजित हरियाणा राज्य दिवस के अवसर परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा एक औद्योगिक हब बनकर उभरा है। औद्योगिक क्षेत्र में भारतीय अर्थव्यवस्था निरंतर प्रगति की ओर बढ़ रही है, इसमें हरियाणा प्रदेश का भी महत्वपूर्ण योगदान है। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में एक बेहतरीन औद्योगिक माहौल बनाया है, जिससे छोटे, मझोले व बड़े उद्योग प्रदेश में लगातार स्थापित हो रहे हैं।

लोकल प्रोडक्ट को मिले ग्लोबल मार्केटः राज्यपाल

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के हॉल नंबर 5 में लगाए गए हरियाणा मंडप में जहां एक ओर गुरुग्राम का आईटी उद्योग प्रदर्शित किया गया है, वहीं दूसरी ओर यह दर्शाया गया है कि हरियाणा किस प्रकार से निवेश के लिए उत्तम स्थान है। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में स्टालों पर उपलब्ध उत्पाद निर्माताओं तथा स्टार्ट अप से बातचीत करते हुए कहा कि इस बार व्यापार मेले का थीम- 'वोकल फॉर लोकल, लोकल टू ग्लोबल' रखा गया है जो कि बहुत ही सराहनीय है। इस दौरान उन्होंने हरियाणा मंडप का दौरा कर वहां लगाए गए सभी 25 स्टॉल को देखा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि भारत अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता के उत्पाद बनाने का प्रमुख स्थल बने। उन्होंने उत्पाद निर्माताओं से बातचीत करते हुए कहा कि वे प्रयास करें कि हरियाणा के लोकल उत्पादों की मांग अंतरराष्ट्रीय मार्केट में बढ़े।

वोकल-फॉर-लोकल के लिए प्रयास

हरियाणा सरकार ने भी 'वोकल-फॉर-लोकल' के लिए बड़े स्तर पर प्रयास किए हैं। प्रदेश में खादी को बढ़ावा देने के लिए खादी ग्रामोद्योग बोर्ड बनाया गया है। इस बोर्ड और तकनीकी शिक्षा के अधिकारियों को तालमेल करके खादी के आधुनिक उत्पाद तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना में हरियाणा अग्रणी राज्य बनकर उभेरगा। हरियाणा में 'एक जिला-एक उत्पाद' से भी आगे बढ़कर 'एक ब्लॉक-एक उत्पाद' कार्यक्रम को लागू किया जा चुका है। प्रत्येक ब्लॉक में उस ब्लॉक के लोगों द्वारा बनाए गए बेहतरीन उत्पाद के लिए एक कलस्टर बनाया जा रहा है। हरियाणा में सभी 143 ब्लॉक में कलस्टर बनाए जा चुके हैं, जिनमें पदमा योजना के तहत चुने गए ब्लॉक के अनुसार उत्पाद तैयार किए जाएंगे।

लोकल से ग्लोबल होने की ज़रूरत

परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि हमें लोकल से ग्लोबल होने की ज़रूरत है। स्थानीय उत्पादों को न केवल देश, बल्कि विदेशों में भी प्रमोट करना चाहिए। देश में आज एक से बढ़कर एक उत्पाद बनाए जा रहे हैं, जो हर पैमाने पर उत्कृष्ट हैं। ऐसे उत्पादों को विदेशी बाज़ारों तक पहुंचाने की ज़रूरत है। हरियाणा सरकार ने प्रो-एक्टिव गवर्नेंस और टाइमली इम्प्लीमेंटेशन (प्रगति) के तहत सभी जिलों के लिए निर्यात योजनाएं तैयार की है।

- संवाद ब्यूरो

दिव्यांगता पर भारी रही आशावादी सोच

संगीता शर्मा

जीवन में कभी हार नहीं माननी चाहिए। तभी व्यक्ति सफलता के मार्ग में आगे बढ़ सकता है। हमें कभी अपने से ऊपर वालों को नहीं, बल्कि नीचे वालों को देखना चाहिए। यह सोच हमें आशावादी बनाती है। इस बात को अमल में लाते हुए कैथल के रसलपूर गांव की स्वयं सहायता समूह की दिव्यांग सरोज बाला न केवल दूसरी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में बेहरतीन कार्य कर रही है, बल्कि कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से आमदनी कमा रही है। वह राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, हरियाणा के अधिकारीगण रामफल, मनोज व अन्य को अपना गुरु मानती है, जिन्होंने उनकी ज़िंदगी बदल दी और पथ-पथ पर मार्गदर्शन व हौसला बढ़ाकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

सीएससी सेंटर से रोज़गार

सरोज बाला और उनके पति जितेंदर पाल दोनों ही दिव्यांग है तथा सरोज 70 प्रतिशत दिव्यांग है। उनकी गरीब परिवार में शादी हुई और उनके पति की कोई ज़मीन नहीं थी,

जिसके कारण उनका गुजारा ही चल पाता था। सरोज ने अपनी तथा परिवार की ज़िंदगी को बेहतर बनाने के लिए बीसी सखी की ट्रेनिंग ली। ट्रेनिंग के उपरांत उनको सीएससी व सरल आईडी तथा डीजी पे यंत्र प्रदान किये गए। 24 जून, 2021 को उन्होंने अपने समूह के माध्यम से 70,000 का ऋण लेकर तथा कुछ पैसे अपने पास से शामिल कर के गांव में ही सीएससी सेंटर शुरू किया जिसमें वह तथा उनके पति सभी विभागों की योजनाओं को ऑनलाइन ऑपरेट करते हैं। वे मनरेगा मजदूर, बुढ़ापा पेंशन, विधवा पेंशन आदि अपने आस-पास के गांवों में योग्य आवेदकों को वितरित कर रहे है। अब इस सेंटर के माध्यम से उसके परिवार की आय 18,000 से 20,000 प्रति महीना तक है।

परिवार का रहा सहयोग

सरोज बाला ने बताया कि वह जन्म से पोलियोग्रस्त है और माता-पिता को काफ़ी देर में उसकी बीमारी का पता चला। दवाई व ईलाज में देरी होने से वह पांच साल की उम्र में चलने लगी। स्कूल जाने में उसे अनेक दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, लेकिन दोनों भाई व बहन में बहुत साथ दिया। वह साइकिल पर बैठाकर उसे स्कूल ले जाते थे। बारहवीं कक्षा तक की पढ़ाई उनके सहयोग से पूर्ण कर पायी। कॉलेज में भी पढ़ना चाहती थी, लेकिन खेतों से बहुत दूर सड़क होने के कारण वह कॉलेज नहीं पढ़ सकीं। इस बात का मलाल उसे हमेशा रहता था, लेकिन जब वह स्वयं सहायता समूह व रजिस्टर मैटेन के कार्यों से जुड़ी तो लगा कि उसका पढ़ने का सपना पूरा हो रहा है। वह अपने आपको खुशकिस्मत समझती है कि सुसराल पक्ष के रिश्तेदारों व पति ने हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

महिलाओं को किया जागरूक

पढ़ी-लिखी होने के कारण, सरोज ने पहले बुक कीपर का प्रशिक्षण लिया तथा प्रशिक्षण उपरांत गांव के सभी समूहों को आगे बढ़ाने के लिए देख-रेख का जिम्मा ले लिया। उसने गांव में समूह सेविका के तौर पर कार्य किया। गांव की अन्य गरीब महिलाओं को भी समूह के फ़ायदे बताते हुए समूह से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उसने सामुदायिक सेवा कर्मी (सीआरपी) की ट्रेनिंग भी ली। सरोज बाला के द्वारा समूह में जुड़ने के बाद कई प्रकार का प्रशिक्षण जैसे बुक कीपर, मास्टर बुक कीपर, स्वयं सहायता समूह ऑडिट, सीआरपी आदि मुख्य है। सीआरपी के दो-तीन ट्रेनिंग प्राप्त करने के बाद उन्होंने जिले के विभिन्न खण्डों में ज़ागरूकता अभियान के माध्यम से महिलाओं को समूह में जोड़ा। इस दौरान सरोज बाला ने विभिन्न सीआरपी राउंड्स के अंतर्गत 63 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया। उन्होंने बताया कि कोरोना से पहले एक साल तक हैंडमेड सेनेटरी पेड बनाने का कार्य शुरू किया, लेकिन कोरेना के बाद बंद हो गया। अब वह मशीन से पैड बनाने का कार्य करनाल देखकर आए हैं और जल्द शुरू करेंगे।

फरीदाबाद में अगले एक वर्ष के दौरान एफएमडीए द्वारा अढाई हजार करोड़ रुपए के विकास कार्य करवाए जाएंगे। फरीदाबाद से नोएडा के बीच नई सड़क का निर्माण एक महत्वपूर्ण परियोजना है।

हरियाणा सरकार ने उल्लेखनीय और अभिनव कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए 'सुशासन पुरस्कार योजना' शुरू की है।

बिजली का निरंतर फैलता उजियारा

विद्युत उपलब्धता में आत्मनिर्भर होता हरियाणा

मनोज प्रभाकर

हरियाणा प्रदेश में अब बिजली के लिए तीन-तीन दिन तक का इंतजार नहीं करना पड़ता। विद्युत की कमी के चलते न तो घर परिवार या खेत का कार्य बाधित होता है और न उद्योग धंधों को 'बिजली की मार' झेलनी पड़ती है। स्कूल कालेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी पढ़ाई लिखाई के लिए कोई परेशानी नहीं होती। अधिकांश गांवों में 24 घंटे बिजली उपलब्ध हो रही है।

हरियाणा अपने गठन के बाद बिजली क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ा है। एक ओर जहां उस समय बिजली की उपलब्धता केवल 343 मैगावाट थी तो वहीं आज 13106.58 मैगावाट तक हो गई है। इस प्रकार राज्य में विगत 8 वर्षों में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में आज हरियाणा बिजली उपलब्धता के मामले में आत्मनिर्भर बना है। जब मई-जून के महीनों में बिजली की सर्वाधिक आवश्यकता होती है (पीक आवर्स), तो उस समय बिजली की मांग 12768 मेगावाट तक पहुंच गई थी, उस लक्ष्य को भी पूरा किया गया। पूरे उत्तरी भारत में जब बिजली का संकट गहरा गया था तब भी हरियाणा में बिजली की उपलब्धता आशा के अनुरूप रही। बिजली निगमों व हरियाणा बिजली विनियामक आयोग (एचईआरसी) द्वारा किए गए बिजली सुधारों की बदौलत यह संभव हो सका।

अलग प्रांत के रूप में हरियाणा जब 1966 में पंजाब से अलग हुआ तो उस समय हरियाणा के पास संसाधनों की अत्यधिक कमी थी। तत्कालीन सरकारों के समक्ष जनता को सडक़, बिजली, पानी जैसे बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाना एक बड़ी चुनौती था। लेकिन 1970 में गांव-गांव में बिजली पहुंचाई गई। मुख्यमंत्री मनोहर लाल स्वयं मानते हैं कि प्रदेश के विकास में अब तक की जितनी भी सरकारें रही हैं, सभी ने इस कार्य में अपना योगदान दिया है। परंतु जितने कार्य पिछले 8 वर्षों में हुए हैं, वह 48 वर्षों के कार्यों पर भारी पड़ रहे हैं। बिजली सुधारों के क्षेत्र में तो हरियाणा ने इन 8 वर्षों में एक ऊंची छलांग लगाई है। प्रदेश न केवल बिजली की उपलब्धता के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना है बल्कि बिजली वितरण की चारों कंपनियां

पहली बार मुनाफे में आई हैं।

एचईआरसी निभा रहा अहम भूमिका

बिजली उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण, बिजली दरों को न्यायसंगत बनाने और पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल नीतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य के लिए 1998 में हरियाणा पावर रिफोर्म एक्ट लागू हुआ, इसके बाद 16 अगस्त, 1998 को एचईआरसी का गठन किया गया। हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड के स्थान पर दो कंपनियां बनी-हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम (एचवीपीएन) और हरियाणा बिजली उत्पादन निगम (एचपीजीसीएल)।

वर्ष 1999 में हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम से दो अलग कंपनियां बनाई गई जो केवल बिजली वितरण का कार्य करेंगी - उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन), यानी यूएचबीवीएन के अंतर्गत अंबाला, पंचकूला, यमुनानगर, कुरूक्षेत्र, कैथल, करनाल, पानीपत, सोनीपत, रोहतक और झज्जर सहित दस बिजली सर्कल हैं, इन दस सर्कलों में 32 डिविजन हैं और 128 सब डिविजिन हैं, इसी प्रकार, डीएचबीवीएन के अंतर्गत हिसार, फतेहाबाद, जींद, नारनौल, रेवाड़ी, भिवानी, गुरुग्राम-1, गुरूग्राम-2, फरीदाबाद, पलवल और सिरसा सहित 11 सर्कल, 30 डिविजन और 129 सब डिविजन हैं।

यमुनानगर में लगेगा 900 मेगावाट का नया पावर प्लांट

हरियाणा बिजली उत्पादन निगम कुल 2582.40 मेगावाट बिजली का उत्पादन करती है, जिसमें से पानीपत थर्मल प्लांट से 710 मैगावाट बिजली का, राजीव गांधी थर्मल प्लांट खेदड़ से 1200 मैगावाट, दीनबंधु छोटूराम थर्मल प्लांट, यमुनानगर से 600 मैगावाट, वेस्टर्न यमुना कैनाल से 62.4 मैगावाट हाइड्रो तथा पानीपत पावर प्रोजेक्ट से 10 मैगावाट सोलर का बिजली उत्पादन होता है। 1966 में जहां हरियाणा में 20 हजार 190 कृषि के लिए उपयोग में आने वाले टयूबवेल के बिजली कनेक्शन थे जो अब 2022 में बढक़र 6 लाख 64 हजार 882 हो गए हैं। 1966 में हरियाणा में मात्र 9749 ओद्यौगिक क्षेत्र के बिजली कनेक्शन थे जो अब 2022 में बढक़र 1 लाख 18 हजार 801 हो गए हैं। वर्ष 1966 में प्रति व्यक्ति 48 यूनिट बिजली की खपत थी जो अब बढक़र करीब 1805 यूनिट हो गई है। आज बिजली उपभोक्ताओं की संख्या बढकर 73 लाख 82 हजार 836 हो गई है। मुख्मंत्री ने राष्ट्रीय हरित ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए एनसीआर से बाहर यमुनानगर में 900 मेगवाट एक और पावर प्लांट लगाने के प्रस्ताव को हरी झंडी दी है और शीघ्र ही इसके स्थल चयन व डीपीआर को मंजूरी मिल जाएगी।

एक लाख सोलर कनेक्शन देने का लक्ष्य

कृषि क्षेत्र में तो पंजाब तथा हरियाणा में लगभग फ्री बिजली दी जा रही है। हरियाणा में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। इसके तहत, 30 हजार सोलर कनेक्शन दिए जा चुके हैं तथा 50 हजार और सोलर कनेक्शन देने का काम चल रहा है। कुल एक लाख सोलर कनेक्शन देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सौर ऊर्जा के उपयोग से यह परिणाम हुआ कि जहां पहले बिजली पर कुल 7200 करोड़ रुपए सब्सिडी के रूप में दिए जाते थे, वहीं आज 5500 करोड़ रुपए सब्सिडी के रूप में दिए जाते हैं। इसके अलावा, सरकारी भवनों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए रूफटॉप सोलर पॉलिसी को लागू किया है।

म्हारा गांव-जगमग गांव योजना से जगमग हो रहा हरियाणा

मुख्यमंत्री मनोहर लाल का मानना है कि बिजली की आपूर्ति उपभोक्ताओं की मांग पर की जाती है जिस प्रकार दुकान से कोई ग्राहक सामान लेता है और भुगतान करता है। उसी प्रकार बिजली का भी भुगतान उपभोक्ताओं को करना होता है, प्रदेश में बिजली बिल ना भरने की एक परिपाटी चली आ रही थी जिसकी मिथ्या मुख्यमंत्री ने वर्ष 2016 में गांव बाढड़ा में तोड़ी थी, जहां उन्होंने झोली फैलाकर लोगों से बिजली बिल भरने की अपील की थी और उसके बाद म्हारा गांव-जगमग गांव योजना की शुरुआत की थी जिसके तहत अब इस समय प्रदेश के 5681 अर्थात 84 प्रतिशत गांवों को 24 घंटे बिजली दी जा रही है, जबकि अक्तूबर,2014 में केवल मात्र 538 गांवों में 24 घंटे बिजली दी जा रही थी। अक्तूबर, 2014 में ग्रामीण क्षेत्र से बिजली बिलों की रिकवरी 50 प्रतिशत से भी कम थी जो अब बढक़र 90 प्रतिशत से अधिक हो गई है। इस प्रकार आज हरियाणा बिजली उत्पादन में न केवल आत्मनिर्भर बना है बल्कि बिजली से चलने वाले उद्योग धंधों और अन्य आधारभूत सुविधाओं में भी देश में शीर्ष स्थान पर है।

करनाल व पानीपत में भी शीघ्र ही एथनॉल प्लांट शुरू किये जायेंगे। प्रदेश की प्रत्येक मिल में ऐसे प्लांट शुरू करने की योजना है।

सरकारी कर्मचारियों को अब पदोन्नति और छुट्टियों इत्यादि गतिविधियों के लिए किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। अब यह सुविधा ई-सर्विस बुक के माध्यम से ऑनलाइन मिलेगी।

पर्यटन को बढ़ावा देगा स्वदेश दर्शन

राज्य में पर्यटन को बढावा देने के लिए पंचकूला, यमुनानगर, महेन्द्रगढ, फरीदाबाद व कुरुक्षेत्र सहित 5 जिलों को पर्यटन हब में शामिल किया गया है। इसके अलावा पंचकूला जिले में पर्यटन के लिए संरचनात्मक ढांचा तैयार करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार की स्वदेश दर्शन-2.0 योजना के अंतर्गत पर्यटन आधारभूत संरचना के विकास के लिए आयोजित प्रथम राज्य संचालन कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा कि यह पर्यटन को बढावा देने के लिए यह बेहतर कारगर योजना है। इस पर अधिक ध्यान देकर कार्य किया जाएगा ताकि राज्य में पर्यटन को विकसित करके रोजगार के अवसर भी बढाए जा सकें।

पंचकूला में मोरनी हिल्स, यादविन्द्रा गार्डन, कौशल्या डैम, नाडा साहिब जैसे 55 पर्यटन स्थल हैं। महेंद्रगढ़ व फरीदाबाद जिले को भी इस योजना में शामिल करने के प्रस्ताव को पर्यटन मंत्रालय को भेजा जाएगा ताकि इन जिलों में भी पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। महेंद्रगढ़ में माधोगढ़ का किला, बीरबल का छत्ता, जलमहल, ढोसी पर्वत जैसे अनेक प्राचीन स्मारक स्थल हैं जिनको पर्यटन के लिए विकसित किया जा रहा है।

फरीदाबाद में ऐतिहासिक सूरजकुंड, दमदमा लेक, अरावली गोल्फ क्लब, सोहना का झरना आदि 17 पर्यटन स्थल हैं। सूरजकुंड में आधुनिक स्तर का विशेष पर्यटन खण्ड बनाने पर भी कार्य किया जाएगा ताकि यह पर्यटकों के लिए और अधिक आकर्षण का केन्द्र बन सके। यमुनानगर में आदि बद्री, लोहागढ़, हथनी कुण्ड बैराज, कलेसर नेशनल पार्क, चन्हेटी पिल्लर आदि कई पर्यटक स्थल हैं।

कुरुक्षेत्र में बड़े स्तर के प्रयास

मुख्य सचिव ने बताया कि स्वदेश दर्शन 1.0 योजना के तहत पर्यावरण पर्यटन, वन्य जीव, बुद्रिष्ट, अध्यात्मक, पहाड़ी दुर्गम क्षेत्र, तीर्थान्कार आदि स्थलों का चयन किया गया है। इस योजना में हरियाणा के कुरुक्षेत्र में कृष्णा सर्किट परियोजना को शामिल कर 97.34 करोड़ रुपए की लागत से पर्यटन का ढांचागत विकास किया जा रहा है। इनमें बहुउद्देशीय पर्यटन सूचना केन्द्र, सरोवर की रैलिंग, अभिमन्यु घाट, लाईट एण्ड साउण्ड शो जैसी 5 योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है जिसे नवम्बर माह में पूरा कर संचालित किया जाएगा। कुरुक्षेत्र के थानेसर शेख चिल्ली महल को भी इस योजना में शामिल कर विकसित किया जाए।

-संवाद ब्यूरो

होली कॉम्पलेक्स बनेगा माता मनसा देवी मंदिर परिसर

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि श्री माता मनसा देवी मंदिर के क्षेत्र को 'होली कॉम्पलेक्स' यानी 'पवित्र क्षेत्र' बनाया जाएगा। मनसा देवी मंदिर के निर्धारित क्षेत्र में शराब की दुकानों को बंद किया जाएगा। मंदिर क्षेत्र से करीब 2.5 किलोमीटर के क्षेत्र में शराब बि ी पर पूरी तरह से प्रतिबंध होगा। इसके साथ-साथ मौजूदा समय में जो ठेके वहां पर हैं, उन्हें भी कहीं ओर आवंटित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने हरियाणा सचिवालय में आयोजित श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता की और कई अहम फैसलों पर मुहर लगाई।

बोर्ड की बैठक में फैसला लिया गया कि श्री माता मनसा देवी परिसर में बन रहे संस्कृत कॉलेज को श्राइन बोर्ड ही चलाएगा। इस कॉलेज में स्टाफ की नियुक्ति, उनका वेतन व विद्यार्थियों से ली जाने वाली फीस श्राइन बोर्ड द्वारा ही तय की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए यह एक अनूठी पहल है। गौरतलब है कि इस कॉलेज की आधारशिला रखी जा चुकी है। श्राइन बोर्ड ने इसके लिए जमीन मुहैया करवा दी है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा।

छात्रों को वजीफा देगा श्राइन बोर्ड

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने फैसला लिया गया कि अंत्योदय स्कीम के अंतर्गत छात्रों को कौशल विकास के लिए वजीफा दिया जाएगा। इसमें पंचकूला के एक लाख 80 हजार रुपए आय वाले परिवारों के एक हजार बच्चों को कौशल विकास के लिए तीन हजार रुपए महीना की राशि बतौर वजीफा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अंत्योदय परिवारों के लिए सरकार अनेक योजनाओं का ि यान्वयन कर रही है। यह भी श्राइन बोर्ड की अच्छी पहल है।

परिसर में वृद्धाश्रम

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि श्री माता मनसा देवी मंदिर परिसर में बन रहे वृद्धाश्रम की इमारत लगभग तैयार हो गई है। इसके संचालन के लिए बोर्ड को जल्द से जल्द कोई प्लान तैयार करने के निर्देश दिए हैं,

ताकि इसे प्रभावी तरीके से संचालित किया जा सके। उन्होंने इस वृद्धाश्रम के लिए फर्नीचर खरीदने के लिए भी मंजूरी दी। मुख्यमंत्री ने श्री माता मनसा देवी मंदिर में बनने वाले राष्ट्रीय आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान व संस्कृत गुरुकुल के काम को जल्द से जल्द पूरा करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में विधानसभा स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री कमल गुप्ता, हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी.उमाशंकर, प्रधान सचिव श्री विजेंद्र कुमार, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. अमित अग्रवाल, पंचकूला के जिला उपायुक्त महावीर कौशिक, श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ अशोक कुमार बंसल व अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

एक्साइज और जीएसटी में रिकॉर्ड कलेक्शन हुआ है। पिछले साल के मुकाबले आबकारी और जीएसटी संग्रह में अब तक करीब 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

हरियाणा सरकार का नारा है कि तू निश्चय तो कर, नशा पकड़वाओं, नशा छुड़वाओ। इसके लिए एंटी ड्रग्स हेल्पलाईन नंबर 9050891508 जारी किया है।

गीता महोत्सव

अध्यात्म व संस्कृति का अद्भुत संगम

संगीता शर्मा

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव जहां विश्व पटल पर अपनी पहचान बना चुका है वहीं दूसरी ओर इस महोत्सव में दूसरे राज्यों से आए शिल्पकार अपनी कला का अद्भुत प्रदर्शन कर रहे हैं। ब्रह्मसरोवर तट के किनारे आयोजित सरस मेला व क्राफ्ट मेला में आए शिल्पकारों की कारीगरी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है और पर्यटक जमकर इसकी खरीदारी कर रहे हैं।

19 नवंबर से 6 दिसंबर तक लगने वाले अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मंत्रोच्चारण के बीच कुरुक्षेत्र में सरस मेले के उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता की प्रति पर पुष्प अर्पित किए और दीप प्रज्जवलित कर अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आगाज़ किया। उन्होंने ढोल-नंगाड़ा पार्टी, करतब दिखा रहे कलाकार, नृत्य कर रहे कलाकार और बीन पार्टी से बातचीत की।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2022 का विधिवत रूप से आगाज़ 29 नवंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और मुख्यमंत्री मनोहर लाल ब्रह्मसरोवर पुरुषोत्तमपुरा बाग में पवित्र ग्रंथ गीता के पूजन व ब्रह्मसरोवर के जल से आचमन के साथ करेंगे।

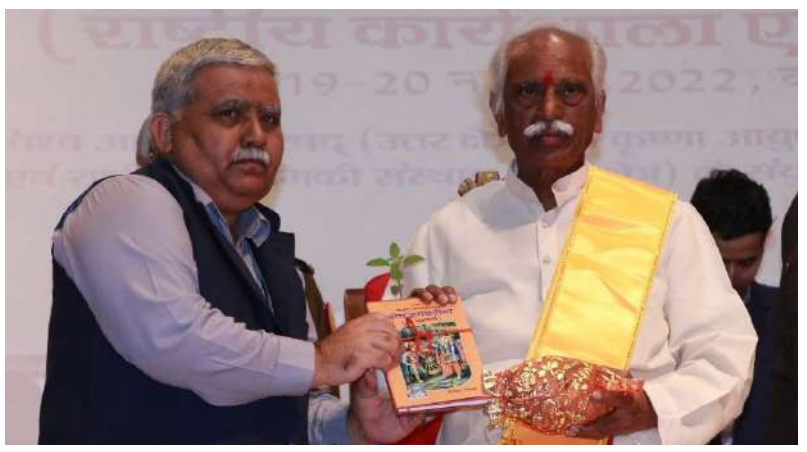

धर्म, संस्कृति व प्रतिभा का संगम

महोत्सव के दौरान ब्रह्मसरोवर तट पर गीता यज्ञ एवं गीता पूजन, गीता स्थली ज्योतिसर में श्रीमद्भागवत गीता का संपूर्ण पाठ, पुरुषोत्तमपुरा बाग ब्रह्मसरोवर पर भजन संध्या व महाआरती में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। गीता शोभा यात्रा में श्रद्धालुओं ने ख़ासा उत्साह दिखाया। इस दौरान अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

लोकनृत्यों व लोक वाद्ययंत्रों ने किया मनोरंजन

मुख्य पांडाल मेला क्षेत्र ब्रहमसरोवर पर सांस्कृतिक संध्या-आजादी का अमृत महोत्सव में सैलानियों ने रंगारंग कार्यक्रम का लुत्फ उठाया। इन लोकनृत्यों में बजने वाले वाद्ययंत्र लोगों को अपनी तरफ़ आकर्षित कर रहे थे और लोकगीत दर्शकों के मन पर अपनी अनोखी छाप छोड़ रहे थे। इन प्रस्तुतियों को जम्मू-कश्मीर, उतराखंड, हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ वेस्ट बंगाल, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, असम के कलाकार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में विशेष तौर लेकर पहुंचे है। इन कलाकारों ने पुर्लिया छाउ, धनगिरी गजा, गौर मारिया, बरदोई शिकला, कुड, ठाडिया छाउपोला आदि लोग नृत्यों को प्रस्तुत किया।

शिल्पकला की बहार

ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर पहली बार देश के कोने-कोने से आने वाले पर्यटकों को 23 राज्यों की शिल्पकला का अनोखा संगम देखने को मिला। इस महोत्सव में 23 राज्यों के 230 शिल्पकार पहुंचे। इन शिल्पकारों में 9 राष्ट्रीय अवार्डी, 17 स्टेट अवार्डी, 5 राष्ट्रीय व 9 राज्य प्रमाण पत्र से सम्मानित हैं। इसके अलावा 1 शिल्पगुरू कलानिधि अवार्डी, 2 संत कबीर अवार्डी शामिल है। इन शिल्पकारों की हैंडलूम, टेक्सटाईल, लैदर, कांस्य मैटल ज्वैलरी, कैन एंड बम्बू, सिल्क साड़ी, सिल्क ड्रेस मटीरियल, कलमकारी ड्रेस मटीरियल, हैंड प्रिंटिड टेक्सटाईल, जैकेट-कोट, शॉल, बैड शीट, बेड कवर, फ्लोर कवरिंग, पैच वर्क, वूडन कार्विंग, लैदर आर्ट, ज्वैलरी, टेराकॉट पॉट, डॉल एंड टॉयज, वूडन टॉयज, वूडन एंड जरी, पेंटिंग्स, जयपुरी रजाई, नामदा, स्टोन कारविंग, मीनाकारी ज्वैलरी, पैडी एंड स्ट्रा क्राफ्ट, ड्राई फ्लवार, सोलापिट, पोईट्री एंड क्ले, पंजाबी जूती, फुलकारी, पशमीना शॉल, कनी शॉल, पेपर मच्ची, कावा एंड ड्राई फ्रूट, करुवा बूटी साड़ी, ब्लू आर्ट पोईट्री पर्यटकों के लिए ब्रहमसरोवर के पावन तट पर सजी।

समाज में समरसता लाती है श्रीराम कथाः राज्यपाल

गीता ज्ञान संस्थानम द्वारा आयोजित श्रीराम कथा सुनने के बाद राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने कहा कि विश्व शांति के लिए श्रीराम कथा जैसे कार्यक्रमों का होना बेहद जरूरी है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और लोगों को प्रेरणा मिलती है। इतना ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव जैसे कार्यक्रमों के दौरान श्रीराम कथा का होना एक अद्भुत संगम है। इस अनोखे संगम से एक नए समाज का सृजन संभव होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में सुख, शांति व समरसता आती है। रामकथा सुनकर सकारात्मक विचार आते हैं और लोग नकारात्मकता से बाहर आते हैं। इस प्रकार रामकथा विश्व के कल्याण का सूत्र है।

गीता महोत्सव में जंगम जोगी

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में कालका से पहुंची जंगम जोगी पार्टी अनूठी प्रस्तुति पेश कर रही है। ये कलाकार भजनों के जरिए सामाजिक बुराइयों के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रहे हैं। इस पार्टी में शामिल 6 कलाकारों में से 3 युवा कलाकार हैं, जो पेशे से पेंटर हैं लेकिन अपनी पुश्तैनी परंपरा को जिंदा रखने के लिए जंगम जोगी के भजन गाते हैं। महोत्सव में इन कलाकारों को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। जंगम जोगी कलाकारों ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल का धन्यवाद किया जिनकी बदौलत उन्हें कला का प्रदर्शन करने के लिए मंच मिला।

जंगम जोगी कृष्ण कुमार का कहना है कि आज के युवा पढ़ाई-लिखाई करने के बाद नौकरी या अपना काम शुरू कर देते हैं। चुनिंदा ही ऐसे हैं, जो अपनी पुश्तैनी परंपरा को बनाए रखने का प्रयास करते हैं। टीम में 22 वर्षीय मनीष, 24 वर्षीय अभिषेक और 26 वर्षीय अरूण जो जंगम जोगी हैं। उन्होंने शिव स्तुति सीखी है जिसमें शिव विवाह से लेकर अमरनाथ तक जाने की पूरी कहानी गीतों के माध्यम से प्रस्तुत होती है। वे अपने भजनों के माध्यम से समाज में उजियारा फैलाने का प्रयास कर रहे हैं।

कृष्ण कुमार ने कहा कि उनकी पार्टी में तीन बुजुर्ग कलाकार भी हैं। गीता जयंती जैसे आयोजन होने से उन्हें काम मिलता है। इससे वे अपनी परंपरा का प्रचार-प्रसार करते हैं। इन सभी कलाकारों ने कहा कि मुख्यमंत्री ने गीता जयंती का स्वरूप बदला जो काफी सराहनीय है। अब इसे केवल कुरुक्षेत्र में ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है।

डॉ अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com